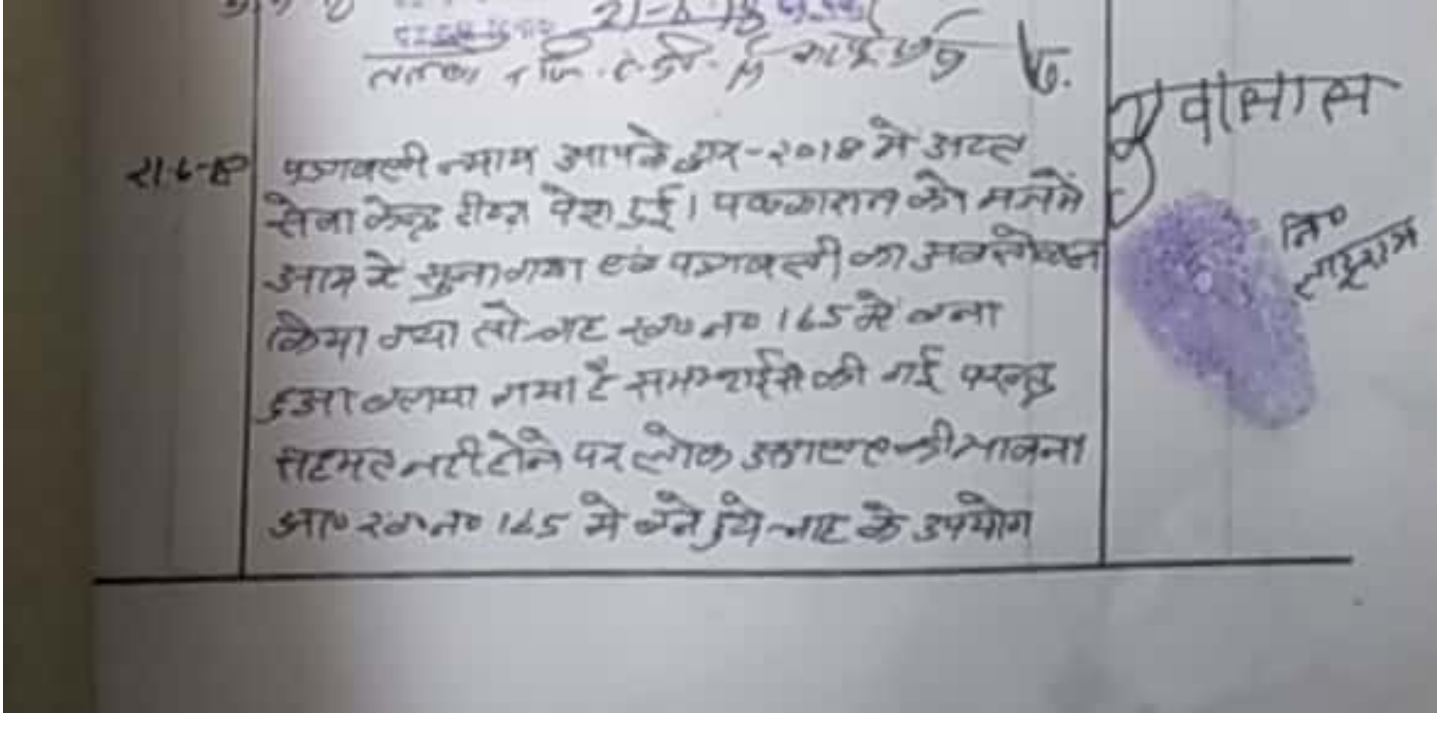

[illegible]

21-6-18 पत्रावली आज आपके द्वार-2018 में अदालत सेवा केन्द्र शीघ्र पेश हुई। पक्षकारान को मौके पर आज से सुना गया एवं पत्रावली का अवलोकन किया गया तो खाता नं० 165 में दर्ज बताया गया है सहभागीदारी की गई परन्तु सहमत नहीं होने पर लोक कल्याण की भावना खा० नं० 165 में बने हुये खाट के उपयोग

ह.

वासुमा

नि० [illegible]

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
	उपभोग में एक-दूसरे को किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न ~~[illegible]~~ नहीं करने हेतु मूल वाद के निस्तारण तक उभय पक्ष को पाबन्द किया गया। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो। आदेश खुले आम में सुनाया गया। उपखण्ड अधिकारी सांभरलेक

Scanned by CamScanner